# एकल नारी की आवाज

अंक : 42 , माह : नवम्बर, वर्ष : 2016, निजी प्रसार हेतु


# राज्य स्तर पर मनाया अनूठा त्यौहार-बहिना दूज

''बहिनचारे के जश्न में, हम सब संग हैं''

## धूमधाम से मनाया बहिंनचारे का जश्न

- जल्दी ही एक दिन समाज देगा बहिनचारे की मिसाल ।
- सभी ने लिया प्रण बहिन-बहिन के रिश्ते को बनायेंगे मजबूत ।
- महिला ही महिला की दुश्मन कहावत है निराधार.....करेंगे साबित

कार्यक्रम के दौरान हाथों में हाथ लेकर शपथ लेती हुई एवं प्रेम बंधन बांधकर एक होने का परिचय देते हुए बहनें

**कोटा।** **''समाज में अस्यां रिति रिवाज बण्या कि 20 साल में चुनडी आज संगठन की बहिना दूज की वजह सूं फैरबा न मिली ना तो बक्सा में ही रखी छी गल गई, भाई और रिश्तेदार भी चमक और काम वाली साडी लूगडों ना देवे और केवे कि बापड़ी विधवा होगी कस्या फेरगी तो काई विधवा होया के बाद सब खत्म हो जावे कांई ''** अपने भाव व दर्द व्यक्त करते हुऐ दाधीच भवन, कोटडी, कोटा में आयोजित किये गये दो दिवसीय राज्य स्तरीय बहिना दूज कार्यक्रम दिनांक 3-4 नवम्बर, 16 के अन्तिम सत्र में सांगोद से 42 वर्षीय मानकंवर ने कहे और साथ ही कहा कि अब ऐसी कुरितियां समाप्त करना होगा। इसी मौके पर रामकन्या बाई उम्र 70 वर्षीय, निवासी-ईटावा द्वारा कहा गया कि **''आज दिन तक कोई ने भी म्हारे लिये व्रत वास किया, ना ही म्हारी सुखी जीवन के लिए कामना करी, मैं ही सबके लिए करती रही। आज पहली बार अच्छो लाग रियो है कि ऐसो त्यौहार होनी चाहिए जो औरत-औरत के रिश्तों मजबूत करे''**

इस कार्यक्रम में राजस्थान के 20 जिलों से विधवा परित्यक्ता व अन्य एकल बहनों ने लाल चुन्दड़ी ओढ़ अपनी बहनों को स्नेह के बन्धन स्वरूपी धागा बांध, तिलक लगाकर बहन-बहन के रिश्ते का एक जश्न मनाया और 450 महिलाओं से शुरू होने वाला यह संगठन आज 52,000 महिला सदस्यों पर पहुंच गया। इस मौके पर विभिन्न कार्यकम आयोजित हुए। कार्यकम के प्रथम दिवस में पधारे मुख्य अतिथि जिला सेशन न्यायाधीश श्रीमान् के.एल. गुप्ता द्वारा नारियों के प्रति संवेदनशीलाता रखने का संदेश दिया और इसी मौके पर उन्होंने बहिन-बहिन के रिश्ते को मजबूत बनाने व ना हिंसा करेंगे और ना ही हिंसा सहन करेंगे की प्रतिज्ञा दिलवायी व बहिनों ने एक दूसरे का हाथ पकड़कर प्रण लिया कि हम बहिन-बहिन के रिश्ते को मजबूत करेंगे और समाज में औरत-औरत की दुश्मन वाली कहावत को निराधार साबित करके दिखायेंगे। विशिष्ट अतिथि अति. जिला सेशन न्यायाधीश प्रमोद कुमार शर्मा ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि संगठन के द्वारा की गई यह पहल अनूठी है। इसे आगे तक ले जाने से महिला सशक्तिकरण को मजबूती मिलेगी। साथ ही बहनों ने डायन डाकन प्रताड़ना कानून व शहरी क्षेत्र में चलाई जा रही सरकारी आवास योजनाओं के बारे में भी जानकारी ली। कार्यकम में जयपुर से आजाद फाउण्डेशन से प्रोग्राम कॉर्डिनेटर बद्री नारायण जी एवं प्रोग्राम ऑफिसर सरस्वती जी द्वारा बताया कि समाज में व्याप्त महिला-पुरूषों की गैर बराबरी को कम करने के लिये संस्थान छ माह का विमेन ऑन व्हिल (प्रोफेशनल महिला ड्रायवर) बनाने का कार्य किया जा रहा है। जो कि भारत के छः राज्यों में कार्य कर रहा है। दूसरे दिवस के समापन सत्र में मुख्य अतिथि संभागीय आयुक्त रघुवीर सिंह मीणा व महिला अधिकारिता विभाग परियोजना अधिकारी द्वारा समाज व एकल महिलाओं के सशक्तिकरण हेतु कार्य करने वाली 22 एकल महिलाओं का सम्मान व अभिनन्दन किया जिन्होने गांव से शराब के ठेके हटवाये, नरेगा में ज्यादा से ज्यादा एकल महिलाओं को रोजगार दिलवाया, शिक्षा के अधिकार के अर्न्तगत सरकारी स्कूल मे आरटीआई लगाकर व्यवस्थाओं मे सुधार हेतू कार्य किया, महिलाओं को साक्षरता से जोडा, एकल महिलाओं को जमीन सम्पत्ति का अधिकार

-शेष पृष्ठ-4 पर...

# परिवार से लेकर लोकसभा के निर्णयों तक में महिला की हो भागीदारी

**लहरों को शान्त देखकर.. ये मत समझना, की समंदर मे रवानी नही है, जब भी उठेंगे.. तूफान बनकर ही उठेंगे, अभी उठने की ठानी नही है।**

बैठक में अपने विचार रखते हुए अतिथि

**नई** दिल्ली, 18 नवम्बर। **''आज भी सरकार के आंकड़ों में विधवा, तलाकशुदा महिलाओं को ही एकल माना गया है, परित्यक्ता व उम्रदराज़ अविवाहित एकल महिलाओं के लिए आज भी कोई योजना व प्रावधान नहीं, तो इसके बारे में गंभीरता से सोचकर कार्य करने की आवश्यकता है।''**

दिल्ली में आयोजित दो-दिवसीय राष्ट्रीय एकल नारी अधिकार मंच की बैठक में पधारी राष्ट्रीय महिला आयोग अध्यक्षा ललिता कुमारामंगलम ने अपने उद्बोधन में यह विचार रखे।

बैठक में विधान सभाओं और संसद में महिलाओं के लिये 33 प्रतिशत आरक्षण के मुद्दे पर विशेष सत्र रखा गया, जिसके दौरान महिलाओं के लिये 33 प्रतिशत आरक्षण की मांग को ज़ोरदार रुप से उठाया गया और एकल महिलाओं ने भी इस मांग को पूरा करने के लिये आंदोलन करने का निर्णय लिया। विषेश सत्र में अपनी बात रखते हुये सुनिता

-शेष पृष्ठ-4 पर...

# राज्य स्तरीय बहिना दूज कार्यक्रम में कोटा जिले के आर्थिक रूप से सहयोगी भामाशाहों की सूची

| क्र0 सं0 | नाम भामाशाह | राशि/सहयोग/चन्दा |
|---|---|---|
| 1. | श्री गोपाल दाधीच, अध्यक्ष, महर्षि दाधिची भवन, कोटा | निःशुल्क दो दिवसीय आवास 31,000.00 रूपये |
| 2. | श्री हंसराज जैन, बिल्डर्स, कोटा | 25,000.00 रूपये |
| 3. | श्री योगेश गुप्ता | 19,800.00 रु किराना सामान |
| 4. | श्री आशीष चौधरी | 5,000.00 रुपये |
| 5. | श्री आर0जे0 प्रोपर्टी कार्नर | 5,000.00 रुपये |
| 6. | श्री राधाबल्लभ शर्मा | 2,700.00 रुपये |
| 7. | जैन बुक डिपो, लाडपुरा, कोटा | 4,000.00 रुपये की फ्री स्टेशनरी |
| 8. | श्री कन्हैया सुवालका | 3,000.00 रुपये |
| 9. | श्री मानवेन्द्र सिंह हाडा | 2,100.00 रुपये |
| 10. | श्री महावीर शर्मा | 2,100.00 रुपये |
| 11. | श्री आमीन पठान | 2,100.00 रुपये |
| 12. | श्री ज्योति सुवालका | 1,100.00 रुपये |
| 13. | श्री ज्योति महाराजा | 1,100.00 रुपये |
| 14. | श्रीमति उमा सिंह झाला | 1,100.00 रुपये |
| 15. | श्रीमति शबनम खान | 1,100.00 रुपये |
| 16. | सुश्री मुकेश जोशी | 1,100.00 रुपये |
| 17. | श्रीमती विमला देवी | 1,100.00 रुपये |
| 18. | श्री हरिसंग मीणा, सुल्तानपुर | 1,100.00 रुपये |
| 19. | मधुवन फलेक्स, कोटा | 1,000.00 रुपये बेनर फ्री |
| 20. | गौतम जेरोक्स, नयापुरा, कोटा | 6,00.00 रुपये जेरोक्स फ्री |
| 21. | कोटा ब्लॉक कमेटी द्वारा | 650.00 रुपये |

▸ **अन्य दानदाता :** मनीष सोनी, मोहनलाल जी, गौरव सोनी, आभा भैया, श्री झींगा गोल्ड टेस्टींग, जयप्रकाश जी, श्री माणक चन्द जी, नवल किशोर, फकरुद्दीन जी, एल.एस. सन्तोष मराठा, उर्मिला गोचर, गायत्री शर्मा, सन्तोष मीणा, कैलाश दाधीच, सुनिता, अफसाना, सेरुनिशा, पूनम शर्मा, ललिता शर्मा, जमना, निराशा वैष्णव, नीतू, सरोज चौधरी, दशरत शर्मा, शेख मोहिनुद्दीन, कोटा महिला गृह उद्योग, आए.एस. भण्डारी के द्वारा ... 7,400.00 रुपये सामूहिक सहयोग द्वारा आये।

▸ **विशेष** : सभी गरीब एकल महिलाओं व संगठन सदस्यों ने 19 जिलों से अपने किराये से आकर इसी कार्यक्रम मे लगभग 45,000 रु का सहयोग दिया।

**इस प्रकार कुल सामूहिक चन्दा सहयोग : 1,64,150.00 रुपये**

## संगठन सदस्यों द्वारा तैयार कुछ नये नारे

- वो खुद ही जान जाते हैं, बुलन्दी आसमानों की,
  परिन्दो को तालीम नहीं दी जाती, आसमानों में उड़ानों की।
- तूफानों से आंख मिलाओ, सैलाबों पर वार करो,
  मल्लाहों का चक्कर छोड़ो, तैरके दरिया पार करो।
- आखों में मंजिले थी, गिरे और सम्भलते रहे,
  आंधियों में क्या दम था, चिराग हवा में भी जलते रहे।

# अबला नही हैं एकल नारी, संघर्ष हमारा रहेगा जारी...

## अब..डायन कहना इतना आसान नहीं

कन्तु बाई पत्नि स्व0 शंकर जी ग्राम पंचायत अमरपुरा, ब्लॉक पडुणा, जिला उदयपुर की रहने वाली एकल महिला है। कन्तु बाई एकल नारी शक्ति संगठन की ब्लॉक कमेटी सदस्य है। कन्तु बाई को गांव में उसके घर के आस-पास रहने वाले व्यक्ति डायन बताकर परेशान करते थे। जिनमें राकेश नाम का व्यक्ति ज्यादा परेशान करता था। ये बहन पिछले तीस सालों से गांव वालों के जुल्म सह रही थी। गांव के लोग कन्तु को आये दिन ताने मारते और डायन होने के बारे में कहते। आये दिन मिलने वाले तानों से उसकी जीने की इच्छा लगभग खत्म ही हो गई थी लेकिन उसका बेटा जिसकी उम्र 10 साल की है उसके बारे में सोच कर अपने आपको संभाल लेती थी।

जब उसने एकल नारी शक्ति संगठन के बारे में सुना तो उसने ब्लॉक बैठक-पडुणा में आकर अपनी समस्या सभी बहनों की बतायी। फिर एक दिन एकल नारी शक्ति संगठन से करीब 10 महिलायें राकेश से जाकर मिली। वहां पर गांव वाले भी इकट्टा हो गये। सब गांव वालों के सामने संगठन के कार्यकर्ता एवं सदस्यों द्वारा उसे डायन/डाकन कानून व सजा के बारे में बताया और कहा कि यदि अबकी बार कन्तु बाई ने हमें बताया कि तुमने उसे डायन/डाकन कहा है तो हम तुम्हें सजा दिलवाकर ही रहेंगे। राकेश समझ गया कि उससे गलती हुई है इस पर उससे लिखित में लिया की कन्तु बाई को अब कभी भी डायन/डाकन कहकर परेशान नहीं करेगा साथ ही उससे 5000 रूपये जुर्माने के तौर पर लिये गये। राकेश से संगठन की बहनों ने कहा की अब कन्तु बाई को परेशान किया तो हम तुझे जेल भेज देंगे और साथ ही 50,000 हजार तक का जुर्माना भी लगा सकते हैं। राकेश ने सभी संगठन की बहनों से माफी मांगी साथ ही राकेश ने गुड़ लाकर सभी बहनों को खिलाया ताकी सभी के दिलों में मिठास बनी रहे सदस्यों व कार्यकर्ताओं द्वारा वहां पर संगठन के जोरदार नारे लगाये व कन्तु बाई को महिला को सम्मान के साथ उसके घर छोड़कर आये।

## संगठन की मदद से पुष्पा को मिली आर्थिक सहायता

एकल नारी की आवाज में विविधा संस्थान द्वारा आर्थिक रूप से कमजोर बहनों को दी गई आर्थिक सहायता के बारे में खबर छपी थी जिसमें बताया गया था कि एकल नारी शक्ति संगठन द्वारा पिछले कुछ माह में आर्थिक रूप से कमजोर बहनों को उक्त संस्थान से आर्थिक सहायता दिलवायी। इसी कड़ी पुष्पा देवी पत्नि स्व0 कन्हैयालाल शर्मा ग्राम पंचायत पालड़ी, तह0 लक्ष्मणगढ़ जिला सीकर की रहने वाली संगठन सदस्य को आर्थिक सहायता प्राप्त हुई है। पुष्पा लगभग 4-5 वर्षो से संगठन से जुड़ी हुई है। उसके पास अपने बड़े बेटे मनोज को बी.ए. सी. फाईनल की पढ़ाई के लिए आवश्यक फीस के पैसे नहीं थे।

एक दिन संगठन की ब्लॉक बैठक में उपस्थित एकल नारी की आवाज से उसे विविधा संस्थान के बारे में पता लगा। फिर उसने कार्यकर्ता को अपनी सारी समस्या बताई तब कार्यकर्ता ने उसे सारी बात समझाते हुए आवश्यक कागजात मंगाये।

कार्यकर्ता ने उसकी तरफ से एक प्रार्थना पत्र तैयार कर विविधा संस्थान में भेजा। इसके चार से पांच माह के पश्चात् पुष्पा के खाते में 10,000 रूपये की राशि आ गई। पुष्पा देवी ने बेटे की बकाया फीस जमा करवा कर रसीद विविधा संस्थान को भेजी साथ ही एक धन्यवाद पत्र भी भेजा। पुष्पा को यकीन ही नहीं हो रहा था की जिस समस्या को लेकर वो मन ही मन परेशान थी वह इतनी आसानी से संगठन के माध्यम से हल हो जायेगी।

बहनों यदि आपको भी अपने रोजगार, अपनी स्वयं की पढ़ाई अथवा अपने बच्चे की पढ़ाई के लिए आर्थिक सहायता की आवश्यकता है तो आप भी दिये गये विविधा संस्थान से संपर्क कर यह लाभ ले सकती हैं:-

■ विविधा संस्थान, 335-महावीर नगर द्वितीय, महारानी फार्म दुर्गापुरा, जयपुर (राज0) फोनः 0141-2762932 अर्जी में अपना पूरा नाम, अपने परिवार की पूरी जानकारी, पता एवं संपर्क नम्बर जरूर लिखें।

# आओं जाने, क्या है ? हरी प्रधानमंत्री आवास योजना

## प्रधानमंत्री आवास योजना क्या है?

सबके पास अपना एक घर हो इसके लिए केन्द्र सरकार ने हाउसिंग स्कीम फॉर ऑल 2015-2022 शुरू की है। इस दिशा में पहला बड़ा कदम प्रधानमंत्री आवास योजना के रूप में उठाया गया। जिसमें शहरी गरीब जनता को कम ब्याज पर घर के लिए लोन के साथ ही सब्सिड़ी जैसी योजनाऐं शामिल की है। जिसका मुख्य उद्देश्य आवासहीन जनता के लिए स्वयं का घर हो और उनकी मदद करने के लिए इस योजना को लाया गया।

इस योजना की महत्वपूर्ण बात यह है कि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत घर की रजिस्ट्री घर की महिला अथवा पति एवं पत्नि के नाम संयुक्त रूप से होगी। यह निर्णय महिलाओं की स्थिति मजबूत करने हेतू अहम है। जिस घर में कोई वयस्क महिला नहीं है। तभी घर पुरूष के नाम हो सकता है। महिलाओं को यह विशेष अधिकार देना सराहनीय है।

### ☐ प्रधानमंत्री आवास योजना हेतु प्राथमिकता :-

1. अनुसूचित जाति (एस0सी0)
2. अनुसूचित जन जाति (एस0टी0)
3. आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग
4. विधवा, एकल महिला, निराश्रित महिला
5. विकलांग, अल्पसंख्यक, वरिष्ठ नागरिक

**नोट :** इस योजना के तहत वरिष्ठजन व निशक्तजन लोगों को भू-तल का फ्लेट प्राथमिकता से प्रदान किया जायेगा।

### ☐ कैसे और कहां से जानकारी ले सकते हैं, हाउसिंग स्कीम के बारे में?

इसके अर्न्तगत राजस्थान में मुख्यमंत्री जन आवास योजना भी है। शहरी क्षेत्र में आर्थिक रूप से कमजोर व आवासहीन लोग शहरी क्षेत्र में नगर विकास न्यास (यू0आई0टी) जेडीए, नगर पालिका में जाकर इस योजना की जानकारी ले सकते हैं। साथ ही अखबार की विज्ञप्ति में भी इस प्रकार की सूचनाऐं प्रसारित होती रहती है।

### ☐ आवेदन के साथ क्या दस्तावेज संलग्न करने होंगे :-

1. प्रशासनिक एंव पंजीयन शुल्क का बैंक ड्राफट छायाप्रति के साथ।
2. बैंक खातें की पासबुक के प्रथम पृष्ठ की प्रति या रद्द चैक।
3. आयु/जन्म प्रमाण पत्र।
4. स्व घोषणा पत्र।
5. आय प्रमाण पत्र।
6. आधार कार्ड।
7. राजस्थान का मूल निवासी प्रमाण-पत्र/राशन कार्ड।
8. विशिष्ठ श्रेणी में आवेदन हेतू नियत प्रमाण पत्र।
9. पासपोर्ट साईज फोटो।

### ☐ ऋण से जुड़ी सब्सिडी के बारे में :-

- ऋण से जुड़ी सब्सिडी के अंतर्गत आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग और निम्न आय वर्ग के लाभार्थी आवास के रूप में नये निर्माण और मौजूदा आवासों के विस्तार के लिए बैंकों, आवास वित्त-पोषण कंपनियों तथा अन्य ऐसे संस्थाओं से आवास ऋण ले सकते हैं।
- ऋण आधारित सब्सिडी केवल 6 लाख रूपये तक की ऋण राशि के लिए उपलब्ध होगी और ऐसे ऋण 15 वर्ष की अवधी अथवा ऋण की अवधि के दौरान, जो भी कम हो, 6.5 प्रतिशत की दर से ब्याज सब्सिडी के पात्र होंगे।
- 6 लाख रूपये से अधिक का कोई अतिरिक्त ऋण पर गैर-सब्सिडी दर से गणना की जायेगी। सब्सिडी ऋणदाता संस्थाओं के माध्यम से लाभार्थियों के ऋण खाते में अग्रिम रूप से जमा कर दी जायेगी, इससे प्रभावी आवास ऋण और समान मासिक किस्त में कमी (ई.एम.आई.) आयेगी।

(उदाहरणार्थ- ऋणी 6 लाख रूपये का ऋण लेता है और उस सब्सिडी 2.20 लाख रूपये बनती है, तब ऋण की राशि (से इस राशि 2.20 लाख रूपये) को कम कर दिया जायेगा (अर्थात यह ऋण घटकर 3.80 लाख रूपये हो जायेगा) तथा ऋणी 3. 80 लाख रूपये की घटी हुई राशि पर ई.एम.आई. का भुगतान करेगा)

### ☐ ऋण से जुड़ी सब्सिडी लेने हेतु क्षेत्र सीमाऐं :-

- इस योजना के अंर्तगत निर्मित किये जा रहे आवासों का फर्शी क्षेत्र प्लॉट ईडब्ल्यूएस श्रेणी के लिए 30 वर्ग मीटर तक तथा एलआईजी श्रेणी के लिए 60 वर्ग मीटर तक है।

इसका तात्पर्य है कि यदि फर्शी क्षेत्र संबंधित सीमा से अधिक होगा तब लाभार्थी इस योजना के अंतर्गत लाभ प्राप्त करने के पात्र नहीं होंगे।

- यदि किसी के पास अपना प्लाट है तो वो भी मकान निर्माण के लिये आवेदन कर सकता है, शर्त यह है कि 60 वर्ग मीटर से ज्यादा नहीं हो।

# आओ जाने, क्या है ? ग्रामीण प्रधानमंत्री आवास योजना

ग्रामीण प्रधानमंत्री आवास योजना के अर्न्तगत ग्राम सभा द्वारा सेन्सेस 2011 के आंकड़ो के आधार पर ग्राम पंचायतवार अन्तिम वरीयता सूची अनुसार वरीयता कम में आवास मय शौचालय निर्माण हेतू 1.48 लाख रुपये (महात्मा गांधी नरेगा, स्वच्छ भारत मिशन सहित) तक की सहायता राशि उपलब्ध कराई जायेगी। ग्राम पंचायतवार वरीयता सूची कार्यालय ग्राम पंचायत, पंचायत समिति पर देखी जा सकती है।

यदि ग्राम सभा द्वारा तैयार अन्तिम वरीयता सूची में सेंन्सेस-2011 के आंकड़ो के अनुसार पात्रता होने के बावजूद भी पात्र परिवार का नाम काट दिया अथवा कोई आपत्ति हो तो आप शिकायत कर सकते हैं।

### ☐ शिकायत/जानकारी व सम्पर्क नम्बर :-

- जिला कलेक्टर/ मुख्य कार्यकारी अधिकारी, जिला परिषद।
- अधिक जानकारी के लिए आप ग्राम पंचायत, पंचायत समिति, जिला कलेक्टर कार्यालय में जाकर मिल सकते हैं।
- राज्य स्तरीय मोबाईल नम्बर, यदि आपको इससे सम्बन्धित कोई परेशानी है तो एसएमएस/वाट्सएप द्वारा भी सम्पर्क कर सकते हैं।
- राज्य स्तरीय फोन नम्बर : 9116057308

: नारे :

ना हारे हैं, ना कभी हारेंगे,
यह किसी से नहीं
खुद से वादा किया है

इतिहास बदलने का
संकल्प उठाना है,
हिम्मत है अगर हम में,
कदमों में जमाना है

**कृपया ध्यान दें :**

बहनों, जैसा की आप जानते हैं कि एकल नारी शक्ति संगठन राजस्थान में हजारों एकल महिलाओं का विशाल संगठन है और इसका क्षेत्र भी पूरा राजस्थान है। यदि आपको संगठन के प्रति या संगठन कार्यकताओं से किसी भी प्रकार की शिकायत है तो आप नीचे लिखे टेलीफोन नम्बरों पर फोन करके बता सकते हैं। आपकी शिकायत को सुना जायेगा और शिकायत के अनुरूप कार्यवाही की जायेगी।

**: संपर्क नम्बर :**

0744-2450726 (कोटा कार्यालय)
0294-2451348 (उदयपुर कार्यालय)

# (उमड़ते सौ करोड़)
# वन बिलियन राईज़िंग–2017

**आओ...''आवाज उठाये एकजुट होकर महिलाओं के शोषण को समाप्त करने के लिए''**

वन बिलियन राइजिंग (उमड़ते सौ करोड़) महिलाओं के खिलाफ हिंसा समाप्त करने का अर्न्तराष्ट्रीय अभियान है।

पूरे विश्व में सौ करोड़ महिलाओं से ज्यादा के साथ हिंसा होती है, इस आधार पर दुनिया भर में तीन में से एक महिला को अपने जीवन में यौन आधारित हिंसा का शिकार होना पड़ता है। कुछ देशों में यह संख्या 70 प्रतिशत तक है। सार्वजनिक स्थानों, यातायात में भी महिलाओं को कई तरह की हिंसा और शौषण का शिकार होना पड़ता है।

इस अभियान के तहत् दुनियां के 260 देशों ने सन् 2013 में कहा कि 'बस अब और नहीं' 'अब हम हिंसा सहन नहीं करेंगे।' और तभी से लगातार हर साल अलग-अलग हिंसा व न्याय समानता के मुद्दें इस अभियान के माध्यम से उठते रहे है। प्रथम वर्ष में महिलाओं व लड़कियों पर होने वाली हिंसा, दूसरे वर्ष में न्याय व समानता की मांग, तीसरे वर्ष में जवाबदेही न्याय,और व्यवस्थित परिवर्तन की मांग व चतुर्थ वर्ष में प्रकृति के साथ होने वाली छेड़छाड व हिंसा के खिलाफ इस अभियान में आवाज उठायी गई। इस वर्ष विश्व स्तर पर 14 फरवरी, 2017 को दुनिया भर में ''एकजुटता महिलाओं के शोषण को समाप्त करने के लिए'' एक साथ आवाज उठेगी। यह आवाज उठाने के लिए यह दिन चुना गया। क्योंकि 14 फरवरी वेलेन्टाईन डे यानि प्रेम के इजहार का दिन है और हम सब महिलाऐं शान्ति, प्रेम व समानता चाहती है। हम सब जानते है कि साल मे केवल एक दिन आवाज उठाने से यह सब समाप्त होने वाला नही है। यह प्रक्रिया लगातार हमें जारी रखनी होगी। और देखा जाये तो यह प्रक्रिया 25 नवम्बर से 8 मार्च तक किसी ना किसी रुप मे महिला हिंसा पखवाडा हो या मानवअधिकार दिवस के रुप में महिला हिंसा के मुद्दें चर्चा मे उठते रहते हैं। हमें उन लोगों के विरूद्ध उठ खड़े होना चाहिए जो किसी भी रूप में महिलाओं के खिलाफ हिंसा करते हैं।

हमें दुनिया भर में महिलाओं व लड़कियों की उस स्थिति में सुधार लाना चाहिए जो उन्हें कमजोर असुरक्षित बना देती है। वे देश प्रगति नहीं कर सकते जिनकी आधी जनसंख्या हाशिए पर हो या उससे दुर्व्यवहार और पक्षपात होता हो। जब महिलाओं और लड़कियों को उनके अधिकार और शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल, रोजगार और राजनीतिक भागीदारी के समान अवसर मिलते हैं तो वे अपने परिवारों और समुदायों तथा देशों को ऊपर ले जाती है।

जैसा कि हाल ही में विदेश मंत्री हिलेरी क्लिंटन ने कहा है कि दुनिया की महिलाओं व लड़कियों की संभावनाओं में निवेश दुनिया भर में आर्थिक उन्नति, राजनीतिक स्थिरता और पुरूषों और महिलाओं के लिए वृहद समृद्धि प्राप्त करने का सबसे सुनिश्चित तरीका है।

**संगठन सदस्यों द्वारा 25 नवम्बर, 2016 से 8 मार्च, 2017 तक की जाने वाले गतिविधियॉं**

- स्कूलों व कॉलेज में चर्चा व सेमिनार।
- ग्राम सभाओं में चर्चा व मुद्दें उठाना।
- गांव मे नारा लेखन ।
- बैठकें व रैली आयोजन।
- आंगनवाडी मे आने वाली महिलाओं के साथ चर्चा।
- संगठन की बैठकों मे मुद्दें उठाना।

-शेष पृष्ठ-1 का...

## एकल महिलाओं ने मनाया अनुठा...

दिलवाया। उन्होंने एकल महिलाओं को सशक्त होने की आवश्यकता पर जोर दिया। महिला अधिकारिता विभाग से श्री जुगल किशोर मीणा द्वारा डायन-डाकन अत्याचार निवारण अधिनियम के बारें मे बताया।

श्रीमती रीना शर्मा द्वारा विश्व में मनाये जाने वाले उमडते सौ करोड अभियान के बारें बताया। इसके पश्चात् कार्यकम के दौरान खेल प्रतियोगिता आयोजित की गई जिसमें कुर्सी दौड़, नींबू-चम्मच दौड़ के दौरान बहनें काफी उत्साह में थी और कह रही थी की आज तो बचपन याद आ गया।कार्यकम में सभी बहने लाल चुनड़ी ओढ़कर आई ताकी सामाजिक कुरितियों पर प्रहार किया जा सके। समापन अवसर पर एकल महिलाऐं दाधीच भवन से नयापुरा चौराहा होते हुए अदालत चौराहा पहूंची और वहां मुख्यमंत्री के नाम अति0 जिला कलेक्टर एस0डी0 मीणा को ज्ञापन सौपा। रास्ते में महिलाओं द्वारा जोश के साथ नारे लगाये जिनमें ''अबला नही है एकल नारी, संघर्ष हमारा रहेगा जारी,'' ''बहिना दूज मनायेगे, नई पहचान बनायेगे'',

**ज्ञापन की मुख्य मांगे निम्न लिखित हैं :-**

- एकल महिला स्वयं के लिए उच्च शिक्षा व बच्चों के लिए उच्च शिक्षा हेतू फेलोशिप/ छात्रवृति दी जाये
- खाद्य सुरक्षा में 5 किलो के स्थान पर प्रति व्यक्ति 15 किलो अनाज दिया जाये
- नरेगा मे पूरी मजदूरी सुनिश्चित की जाये।
- किसान एकल महिला को कृषि मित्र बनाया जाये व पति का ऋण माफ किया जाये।
- पेंशन राशि मे बढोतरी की जाये।
- विधवा पुत्री विवाह का लाभ अन्य एकल महिलाओं की बेटी को भी मिलना चाहिए।

इसके अलावा पेंशन अनियमित मिलनें व पालनहार का राशि समय पर नही मिलनें एवं सांगोद से आई महिलाओं ने रुपाहेडा गांव मे ठेका हटानें के लिए गुजारिश की।

कार्यक्रम का संचालन मंशा देवी, चन्द्रकला

-शेष पृष्ठ-1 का... परिवार से लेकर लोकसभा...

धर जी ने कहा कि **पूरी दुनिया में देखें तो 140 देशों में हमारे देश का नम्बर महिलाओं के राजनैतिक प्रतिनिधित्व में 103 है और एशिया के 18 देशों में हम 13 नम्बर पर आते हैं। इससे पता लगता है कि भारत में महिलाओं की स्थिति व उनके प्रति सोच आज भी संवेदनशील बनी हुई है।**

एन.एफ.आई.डब्ल्यू. की जनरल सेक्रेटी ऐनी राजा ने कहा कि **''महिलाओं के मुद्दे केवल यौनिक हिंसा, घरेलु हिंसा ही नहीं हैं - विधानसभा/संसद में महिलाओं का नहीं होना, महिलाओं का शिक्षित नहीं होना भी महिला हिंसा है। जहां महिलाओं को लेकर नीति बनती है वहीं महिलाओं की भागीदारी नहीं है। आजादी के सत्तर साल के बाद भी लोक सभा में केवल 12 प्रतिशत महिलाओं की भागीदारी देश में महिलाओं की स्थिति को दर्शाती है।''**

जनवादी महिला समिति से मेमूना मौला ने कहा कि, **कुछ राजनैतिक दल महिला आरक्षण के विरुद्ध हैं, लेकिन जो यह कहते हैं कि वह महिला आरक्षण बिल के पक्ष में है, उनसे प्रश्न और भी बड़े हैं। कांग्रेस क्यों बिल लोक सभा में नहीं लाई। हम भी देखते कि यह कौन सांसद हैं जो बिल के पक्ष में नहीं हैं। वहीं बीजेपी ने तो अपने घोषणा पत्र में कहा कि 33 नही 50 प्रतिशत आरक्षण दे देंगे। पूर्ण बहुमत होने के बावजूद भी आज बी0जे0पी चुप है।**

इसके लिए सभी राज्यों की बहिनों ने कहा कि जब तक लोकसभा और विधानसभा के निर्णयों में महिलाओं की भागीदारी नहीं होगी, सशक्त और विकासशील देश का सपना पूर्ण नहीं हो सकता। अब वक्त आ गया कि महिलाओं को परिवार से लेकर लोकसभा तक दौयम दर्जा नहीं वरन् बराबरी का अधिकार चाहिए। बैठक के अंतिम सत्र में साल भर के लिए आगामी आयोजना तय की। जिसमें मुख्यतः परित्यक्ता एकल महिलाएं, खाद्य सुरक्षा, लोकसभा व विधानसभा में 50 प्रतिशत महिला आरक्षण, सभी एकल महिलाओं के आवास की सुनिश्चितता विषयों पर चर्चा हुई।

बैठक में पीडीएस से संबन्धित समस्याओं में निकल का आया कि राशन की दूकान पर मिलने वाले अनाज के लिए प्रति व्यक्ति अनाज की मात्रा कम होना, पोस मशीनों के कारण अंगूठा निशानी नहीं मिलान नहीं होने से परेशानी, समय पर राशन नहीं मिलना आदि समस्याऐं निकल कर आई।

इस पर निर्णय लिया गया कि सभी राज्यों की महिलाऐं अपने-अपने राज्यों में व केन्द्र सरकार के सामने भी अपनी समस्याऐं रखेंगी। बैठक में परित्यकता महिलाओं की समस्याओं को लेकर भी मुख्य मांगे निकल कर आई जिनमें मुख्य रूप से परित्यक्ता महिलाओं को एकल महिला होने की पहचान मिलने की व्यवस्था बने। उनकी संवेदनशील स्थिति को देखते हुये उनके लिये योजनायें बनाई जायें पेंशन, बच्चों की शिक्षा, स्वयं के लिये शिक्षा व हुनर प्रशिक्षण गुज़ारा भत्ता देने के कोर्ट के आदेशों की पालना हो इसके लिये सरकारी कोष बने पति की संपत्ति शादी के समय से ही पति पत्नी की संयुक्त संपत्ति दर्ज हो।

# महिला की अब कदर बणी...

कस्यो बण्यो रे यो अन्धविश्वास,
महिला की कोई कदर नहीं।

जब से जन्मी कचरा में फैंकी,
नहीं जीबा को कोई अधिकार,
महिला की कोई कदर नहीं।

झाड़ू काढ़े, बर्तन मांजे,
छोटा भाई ने गाद्या खिलावे,
नहीं पढ़ाई को कोई अधिकार,
महिला की कोई कदर नहीं।

कस्यो बण्यो रे यो अन्धविश्वास....

बारह बरस की जद वा होई,
उको ब्याह रचायो जाये,
महिला की कोई कदर नहीं।

बाप के घर में जगह नहीं थी,
जाये ससुराल में होयो अपमान,
महिला की कोई कदर नहीं।

सास पति मोहे देवे ताना,
आधो टाईम नहीं देवे खाना,
थारा बाप से तू कांई लाई,
महिला की कोई कदर नहीं।

कच्ची उम्र में टाबर होग्या,
उकी हालत बिगड़ी जाये,
उको कोई ना ईलाज करावे,
महिला की कोई कदर नहीं।

पच्चीस बरस की जद वा होई,
मरण समान उकी हालत होई,
उको परण्यो दूजी लाये।
महिला की कोई कदर नहीं।

मिलगई जब संगठन की बहणा,
कहा बहिन तू फिक्र ना करना,
उन्हें जाकर हिम्मत बंधाई,
महिला तो नारी शक्ति छैः।

उन्हें अधिकारी की करी है लड़ाई,
महिला की अब कदर बणी।

–कमल पथिक, झालावाड़

## बहनों का लेखन और चित्रकारी

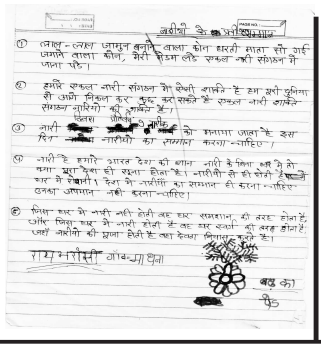

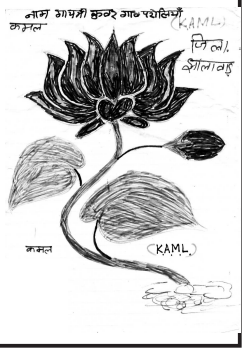


# ''पति का मृत्यु प्रमाण पत्र ही नहीं लाखों की जमीन भी मिली-पदमा

**''कह दो मुश्किलों और चुनौतियों से, थोड़ा और कठिन हो जाये
नापना चाहते हैं हमारी हिम्मत को तो,
कह दो आसमान से थोड़ा और ऊपर हो जाये''**

मैं, पदमा देवी पत्नि स्व0 बुधाराम मेघवाल गांव भीमासर, ब्लॉक फलौदी, जिला जोधपुर की रहने वाली एकल विधवा महिला हूँ। मेरे पति की मृत्यु 11 वर्ष पूर्व हुई थी। पति की मृत्यु के पश्चात् मेरे पिता जी भीमासर गांव जो की मेरा पीयर है वहां पर ले आये। यहां से दुबारा कुछ दिनों के बाद मैं ससुराल गई परन्तु वहां पर मेरे साथ अच्छा व्यवहार नहीं होने के कारण वापस पीयर आकर रहने लगी। चिन्ता के कारण घर में रहकर मैं बीमार रहने लगी। सन् 2012 में मुझे एकल नारी शक्ति संगठन के बारे में जानकारी मिली और कार्यकर्ता मोहिनी गर्ग द्वारा ग्राम पंचायत की बैठक में मेरा चुनाव ब्लॉक कमेटी सदस्य के रूप में किया।

मैं एक दो बार ही ब्लॉक की बैठक में आयी फिर मैंने मिटिंग में जाना बंद कर दिया। क्योंकी गांव वाले और परिवार के लोग राजी नहीं थे कि मैं घर से बाहर निकलूं। कुछ दिन बाद मुझे संगठन की बहनों ने संपर्क किया और मुझे समझाया कि आप लगातार ब्लॉक बैठक में आती रहा किजिए। मैं मिटिंग में जाने लगी और मैंने सदस्यों की मदद से पेंशन के लिए आवेदन किया। इसके लिए मुझसे मेरे पति का मृत्यु प्रमाण पत्र मांगा गया जो मेरी सास के पास था। लेकिन मै ससुराल जाने के लिए तैयार नहीं थी। उसके बाद कृष्णा जी फलौदी ब्लॉक बैठक में गये तो उन्होंने मुझे हिम्मत दी मोहिनी बाई ने कहा इसके पास इसके पति का मृत्यु प्रमाण पत्र नहीं होने के कारण इसकी पेंशन भी नहीं हो पायी है। कृष्णा जी ने फिर मुझे समझाया कि एक बार ओसिया आ जाना हम आपके पति का मृत्यु प्रमाण पत्र साथ चल कर निकलवालेंगे। चार माह के बाद मुझे पता चला की ससुराल में मेरे पति के हिस्से की जमीन भी है इस पर मैंने जिला स्तर बैठक में बात रखी कि ससुराल की जमीन में मुझे हिस्सा दिलवाया जावे। 17 सितम्बर 2016 को ओसिया बैठक के पश्चात मैं, पप्पु जी व कृष्णा जी तीनों तहसील में जाकर पटवारी जी से मिली और मेरी जमीन की नकल निकलवायी साथ ही पटवारी से मेरे ससुर धन्नाराम जी की जमीन की जमाबन्दी निकलवायी जिसमें 26 बीघा जमीन थी। इस जमीन के 9 लोग हकदार थे। जिसके नाम भी थे। उसके मेरा नाम भी डाला गया। उस जमाबन्दी की नकल कार्यकताओं द्वारा मुझे दे दी गई। जमीन की कीमत लगभग 70 लाख होगी। पटवारी ने एक बीघा जमीन मेरे हिस्से में बताया लेकिन संगठन की कोशिश से हिस्से अनुसार लगभग तीन बीघा जमीन मेरे हिस्से में मिली। फिर मेरे पति का मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाया गया। जिसमें दो गांव के लोग मौजूद थे उनके सामने उसके पहचान पत्र लगाकर हस्ताक्षर करवाये। जिससे मेरी पेंशन भी स्वीकृत हुई। मैं एकल नारी शक्ति संगठन से जुड़कर बहुत खुश हूँ कि मुझे संगठन के माध्यम से जमीन व पेंशन का लाभ प्राप्त हुआ। अब मैं संगठन के माध्यम से अन्य बहनों के कार्य भी करवाती हूँ। मुझे संगठन की ताकत पर पूरा विश्वास है। एकल नारी शक्ति संगठन जिन्दाबाद।

## मुझे तेरा इन्तजार रहेगा

तू तोड़ के सारे बन्धान चली आ..
मुझे तेरा इन्तजार रहेगा।

तेरी खामोशी सन्नाटे की तरह है,
इसे तोडकर मुस्कुरा दे,
मुझे तेरा इन्तजार रहेगा.....

यह रिश्ते नहीं है तेरे,
यह नाते नहीं है तेरे..
ये समाज के रिति रिवाज,
बन्धान तोड़कर आजा
मुझे तेरा इन्तजार रहेगा.....

तू अकेली ना समझ,
लाखों बहिने तेरे साथ है
तू अपनी राहें बदल दे,
मुझे तेरा इन्तजार रहेगा .....

तू चलेगी राहों मे तो,
कांटे भी फुल बन जायेगे,
हौंसला अगर बुलन्द है तो,
मंजिल कदम चुमेगी,
और आंधी मे भी चिराग जल जायेंगे।
हम सबको तेरा इन्तजार रहेगा।

तू सारें बन्धान नाते,
तोड़कर चली आ
मुझे तेरा इन्तजार रहेगा।।

# संगठन की ओर से राज्य स्तरीय सदस्य बैठक आयोजित

**यह राहें ही ले जायेंगी मंजिल तक हौंसला रख,**
**कभी सुना है कि अंधेरे ने सवेरा होने नहीं दिया।**

एकल नारी शक्ति संगठन की दो दिवसीय राज्य स्तरीय सदस्य बैठक दिनांक 23-24 जुलाई, 2016 को आस्था प्रशिक्षण केन्द्र, बेदला, उदयपुर जिले में आयोजित की गई। बैठक में 30 जिलों की 72 सहभागियों ने जोर-शोर से भाग लिया। राज्य स्तरीय सदस्य बैठक वर्ष में 3 बार आयोजित की जाती है। इस बैठक में मुख्य रूप से 4 माह के कार्यो, विशेष केस, सदस्य व बिल्ला संख्या, ब्लॉक स्तर पर खातों एवं राशि के विवरण के बारे में बताया जाता है। इसके साथ ही कुछ नई जानकारियों के बारे में, नये नियमों को जोड़ने, विशेष योजनाओं के बारे में एवं संगठन संबन्धित महत्वपूर्ण निर्णय लिये जाने एवं कार्यो की आगामी आयोजना तैयार करने के बारे में चर्चा की जाती है।

राज्य स्तरीय बैठक का संचालन अध्यक्ष कंकू बाई द्वारा किया गया। बैठक का शुभारंभ जोश भरे गीत व नारों के साथ किया गया। इसके पश्चात् सावित्री बाई द्वारा सदस्यों का स्वागत किया एवं सबसे परिचय देने के बारे में कहा गया। परिचय के पश्चात् सभी सदस्यों ने अपने-अपने जिले की जिला स्तरीय रिपोर्ट प्रस्तुत की जिसमें जिले में किये गये कार्यो, नये सदस्य बनाने, बिल्ला वितरण एवं विशेष केसों के बारे में बताया। जिसमें मुख्य रूप से निकल कर आया कि राजस्थान के 33 जिलों में इस बार 1128 नये सदस्य संगठन से जुड़े। अब संगठन में सदस्यों की संख्या 51880 हो चुकी है।

बैठक में आजीविका व रोजगार के लिये कार्य करने पर चर्चा हुई जिसमें सदस्यों द्वारा किये गये कार्यो के बारे में अपने अनुभव बताये अब तक कुल 150 महिलाऐं आजीविका रोजगार से जुड़ी हैं। इसी कम में आगे की आयोजना बनायी गई जिसमें यह पता करना है कि जिन बहनों ने ये प्रशिक्षण लिये हैं उन्हें रोजगार मिला या नहीं। बैठक में संगठन द्वारा दिनांक 24 मई, 2016 को राजस्थान सरकार के मंत्री, सचिवों के साथ एकल, विधवा एवं परित्यकता बहनों समस्याओं के लिए की गई पैरवी की रिपोर्ट प्रस्तुत की साथ ही आगामी आयोजना में 2 समस्याऐं शामिल की गई जिनमें खाद्ध सुरक्षा अन्तर्गत अंगूठा निशान का सिस्टम बन्द किया जाये एवं जो बहनें स्कूल में मिड-डे मील का कार्य कर रही है उन्हें न्यूनतम 3000 रूपये मानदेय दिया जाये।

बैठक में आवास सर्वे के बारे में जानकारी दी गई कि 9 राज्यों से फार्म भरे हैं, सर्वे में सभी उम्र, जाति व वर्ग के फार्म भरे हैं। पूरी सर्वे की रिपोर्ट आने के बाद आवास स्थिति स्पष्ट होगी तब हम आगे पैरवी कर सकते हैं। प्रधानमंत्री आवास योजना में 3000 मकान केवल उन्ही एकल महिलाओं को मिलेंगे जिनका बेटा 18 वर्ष का नहीं हुआ है। निर्णय हुआ कि हमें हर पंचायत समिति में लिस्ट देखनी है।

बैठक के में जोशपूर्ण गीत गाती हुई सदस्याऐं

बैठक में स्थानीय स्तर पर चन्दा एकत्र करने के बारे में चर्चा की गई जिसमें निकल कर आया कि सदस्यों द्वारा इन 3-4 माह में 57-58 हजार रूपये के लगभग चन्दा एकत्र किया एवं कुछ राशि जवाबदेही यात्रा कार्यक्रम में खर्च की गई। इस तरह सदस्यों की सोच बनी की अभी जहां पर स्थिति खराब है वहां पर स्थानीय सहयोग लेकर सम्मेलन/प्रशिक्षण कर सकते हैं। साथ ही बैठक में राजस्थान डायन प्रताड़ना निवारण अधिनियम 2015 एवं 2016 की जानकारी सदस्यों को दी गई। केन्द्र सरकार महिला नीति ड्राफ्ट में संगठन द्वारा जोड़े गये एकल महिलाओं के मुद्दे व मांगे व सुझाव बताये गये कि इसके लिए दिल्ली में 2 दिन की मिटिंग हुई जिसमें सुझाव भेजा कि एकल महिलाओं को अलग ईकाई माना जाये जिसमें सभी विकास की बात हो।

इसके अलावा बैठक में जयपुर पेंशन परिषद बैठक, शराबबन्दी बैठक, खाद्ध सुरक्षा बैठक के बारे में बताया गया एवं आगे के कार्यो की आयोजना भी बनायी गयी। बैठक का समापन जोशपूर्ण गीत व नारों के साथ किया एवं अगली राज्य स्तरीय सदस्य बैठक 26 से 27 नवम्बर, 2016 को आस्था प्रशिक्षण केन्द्र, बेदला, उदयपुर में आयोजित करने का तय किया गया।

## आपके सुझाव आमंत्रित हैं

एकल नारी की आवाज आपका अपना अखबार है। इसमें प्रकाशित हर सामग्री पर आप अपनी राय से हमें अवगत करा सकते हैं। भविष्य में एकल नारी की आवाज को आप किस रूप में देखना चाहते हैं तथा किन मुद्दों व विषयों पर अधिक ध्यान दिये जाने की जरूरत है, इन सभी पहलूओं पर हमारा ध्यान दिला सकते हैं। एकल नारी की आवाज के लिए आपकी ओर से भेजे जाने वाले आपके सुझाव आमंत्रित हैं।

## एकल नारी शक्ति संगठन के सदस्यों की संख्या

| क्र.सं. | जिला | ब्लॉक | सदस्य |
|---|---|---|---|
| 1. | अजमेर | 9 | 4555 |
| 2. | राजसमंद | 5 | 2175 |
| 3. | सिरोही | 3 | 988 |
| 4. | डूंगरपुर | 5 | 1519 |
| 5. | बांसवाड़ा | 6 | 951 |
| 6. | उदयपुर | 8 | 3992 |
| 7. | भीलवाड़ा | 6 | 2883 |
| 8. | जोधपुर | 5 | 1381 |
| 9. | नागौर | 4 | 2287 |
| 10. | जालोर | 2 | 1034 |
| 11. | पाली | 5 | 1999 |
| 12. | चित्तौड़गढ़ | 5 | 1083 |
| 13. | टोंक | 5 | 1481 |
| 14. | बारां | 6 | 2987 |
| 15. | बूंदी | 4 | 1515 |
| 16. | अलवर | 3 | 1204 |
| 17. | सवाईमाधोपुर | 5 | 1770 |
| 18. | जयपुर | 4 | 1629 |
| 19. | कोटा | 6 | 2754 |
| 20. | दौसा | 4 | 1480 |
| 21. | बाड़मेर | 4 | 1070 |
| 22. | सीकर | 4 | 1178 |
| 23. | चुरू | 3 | 2225 |
| 24. | झालावाड़ | 6 | 3443 |
| 25. | जैसलमेर | 3 | 1398 |
| 26. | करौली | 3 | 942 |
| 27. | प्रतापगढ़ | 4 | 928 |
| 28. | भरतपुर | 3 | 919 |
| 29. | बीकानेर | 2 | 300 |
| 30 | हनुमानगढ़ | 2 | 439 |
| 31 | झुंझनू | 2 | 280 |
| 32 | धोलपुर | 2 | 351 |
| 33. | गंगानगर | 2 | 195 |
| | कुल योग | 125 | 53,335 |

यदि कोई एकल महिला, एकल नारी शक्ति संगठन के बारे में कोई जानकारी चाहती है या सदस्य बनना चाहती है, अथवा अपने क्षेत्र को संगठन से जोड़ना चाहती है तो वह निम्न पते पर सम्पर्क करें -


**एकल नारी शक्ति संगठन**

- : पता : -

39, खारोल कोलोनी, उदयपुर-313004 (राज.)

फोन :0294-2451348 फैक्स :0294-2451391

3-पीपल्दा हाऊस, सिविल लाईन, कोटा -324008

फोन : 0744-2450726 फैक्स : 0744-2329536

ईमेल : astha39@gmail.com

ईमेल : ensskota@gmail.com

ईमेल : enssrajasthan@gmail.com

**Website:** www.strongwomenalone.org


सेवा में, बुक पोस्ट

श्रीमान/श्रीमती .....

पता .....

.....

..... पिन कोड .....